weighed on machine found the difference toy 0.25 M.T. to 16.5 M.T. costing nearly Rs. 5 lakhs;

(b) whether it is a fact that weigh bridges in the collieries of Western Coalfields are made to remain out of order or are outdated and therefore frequent break downs occur.

(c) whether it is also a fact that Junnar Deo Weigh bridge is operating only for half the days of the year; and ,

(d) what corrective steps are being taken in this direction?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OP COAL (SHRI S. B. NYAMAGOUDA): (a) According to information furnished by Western Coalfields Ltd., (WCL), Junnardeo weighbridge was out of order during the first four days of May, 1991. During this period loading was done on volumetric basis. WCL have stated that they are not aware of any complaint of the nature mentioned.

(b) No, Sir. Although weighbridges do sometimes breakdown like any other machinery, their average availability is of a high order.

(c) and (d) No, Sir. For example, in the month of May, 1991, Junnardeo weigjh-bridge was out of order for the first four days, but was functioning well for the rest of the month. WCL has taken up the matter of proper maintenance with the concerned company which maintain Jun-nordeo weighbridge, and have ins-tructed it to further improve its main-tenance and availability.

1035. *[Transferred to 31st July,* 1991]

Lifting of ban on Japanese firms for tenders floated by I.O.C.

1036. SHRI VITHALBHAI M. PATEL: Will the Minister of PET ROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a).whether it is a fact that there was a ban on Japanese companies on the participation in tenders floated by Indian Oil Corporation;

(b) whether it is also a fact that the Government of India have lifted the ban recently; and

(c) if so, what are the reasons therefor?., j

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) to (c) Orders *were* issued to Public Sector Undertakings under the then Ministry of Petroleum and Chemicals in December 1989, not to give further business to the Consortium of Japanese Companies which functioned under the name of M/s. Sumitomo Corporation. These orders were withdrawn in May, 1991 after agreements between M/s. Sumitomo Corporation and PNGC/GAIL to refer their contractual dispute to arbitration.

Increase in the number of flights between Zurich and Delhi

1037. SHRI SYED SIBTEY RAZI: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether some additional flights between Zurich and Delhi have re cently been started; and

(b) if so, what are the details thereof and the reasons therefor?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAV RAO SCINDIA): (a) and (b) Swissair was operating 7 flights a week through Bombay till 23-6-1991. However, keeping in view the traffic requirements, they have shifted three of their services to Delhi with effect from 24-6-1991.

तापीय विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति

1038. डा. जिनेन्द्र कुमार जैन :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पर्याप्त मात्रा में कोयले के उपलब्ध न हो पाने के कारण देश के कई तापीय विद्युत संयंत्र अपनी अधिष्ठापित क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो किन-किन राज्यों में तापीय विद्युत परियोजनाओं को पर्याप्त मात्रा में कोयले की आपूर्ति नहीं हो रही है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि कोयले विभाग को य अनुदेश दिए गए है कि वह इस्पात, लोको विद्युत और सीमेन्ट क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर कोयले की आपूर्ति करें ;

(घ) क्या यह भी सच है कि कोल इंडिया लि० ने दावा किया है कि इस समय देश में कोयले का उत्पादन संतोषजनक है ; और

(ङ) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश गुजरात महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में स्थित परियोजनाओं को कोयले की आपूर्ति यथा-समय तथा पर्याप्त मात्रा में नहीं हो रही है; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस. बी. न्यामगौड़ा) : (क) जी, हां 16 तापीय विद्युत गृहों ने अप्रैल तथा मई, 1991 की अवधि में कोयले की आपूर्ति अपर्याप्त रूप में होने के कारण बिजली के उत्पादन में कमी होने की सूचना दी है ।

(ख) उपर्युक्त विद्युत गृह-राजस्थान उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक तथा तमिलनाडु में स्थित हैं ।

(ग) जी, हां । कोयला मंत्रालय कोयला कंपनियों को इस्पात लोको विद्युत तथा सीमेंट क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर कोयले की आपूर्ति किए जाने के निदेश जारी कर दिए है ।

(घ) जी, हां कोल इंडिया लि० द्वारा किया गया कोयले का उत्पादन समग्र रूप से संतोषजनक रहा । कोल इंडिया लि० के लिए वर्ष 1991-92 में 203 मि. टन कोयले से उत्पादन लक्ष्य रखा गया है । अन्तिम आंकड़ो के अनुसार इसने 1-4-91 से 30-6-91 की अवधि के दौरान 42.633 मि० टन लक्ष्य उत्पादन की तुलना में 41.88 मि० टन कोयले का उत्पादन किया, जो कि लक्ष्य उत्पादन का 98.23% है, और यह उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि में उत्पादित किए गए कोयले की तुलना में 7.2% अधिक है ।

(ङ) जबकि उत्तर प्रदेश के तापीय विद्युत गृहो को कोयले की आपूर्ति सामान्यत : सन्तोषजनक रही, किन्तु गुजरात महाराष्ट्र आंध्र प्रदेश कर्नाटक तथा तमिलनाडु के विद्युत गृहो को कोयले की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति नहीं हो रही है । कोयले की अपर्याप्त रूप में आपूर्ति का मुख्य कारण सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि० आंध्र प्रदेश द्वारा कानून तथा व्यवस्था की स्थिति और औद्योगिक संबंधो की समस्याओं के कारण कोयले का निरन्तर कम स्तर पर उत्पादन किए जाने के कारण है । इस कोयले कंपनी के साथ संयोजित तमिलनाडु कर्नाटक, आंध्र प्रदेश तथा महाराष्ट्र के तापीय विद्युत गृहों को कोयले की आपूर्ति अन्य कोयला कंपनियों से करनी पड़ती है, जिस कार्य में रेल अथवा रेल-सह-समुद्री मार्ग की लम्बी दूरी अन्तर्ग्रस्त है । विद्यमान लदान सुविधा वैगनों की उपलब्धता मार्गों की क्षमता सीमित होने के कारण कोयला कंपनियों के पास पर्याप्त मात्रा में कोयला उपलब्ध होने के बावजूद भी उपभोक्ताओं को कोयले की आपूर्ति किए जाने की कार्रवाई प्रभावित होती है ।